NOTE FOR PAD

Meri Fasal Mera Byora (MFMB) is a flagship scheme/programme of State Government wherein farmers register themselves to sell their crops on MSP and to get other benefits of Agriculture and other allied Departments. Now this portal has become an umbrella platform for almost all benefits including Mera Pani Meri Virasat (MPMV), Direct Seeded Rice (DSR), Bajra Replacement and Bhawantar Bharpai Yojana (BBY), Uttam Beej (Seed Development) etc. The subsidy/financial assistance are directly credited to the farmers' bank account by this portal either directly through bank, treasury or e-Kharid.

Agriculture & Farmers Welfare Department is the Nodal Department for Meri Fasal Mera Byora (MFMB portal) since Kharif 2020 and prior to this, Haryana State Agriculture Marketing Board was the Nodal Agency for capturing and operating all activities on this portal. The Guidelines for this scheme has been approved by the Government.

The portal has been developed in such a way that it has taken care of all the existing problems of farmers particularly in the realm of procurement. Through this portal, now he can choose the nearest mandis and he can schedule his arrival at the time of procurement on MSP. Since the portal is linked with e-Kharid, hence he is paid for sale of his produce on MSP directly in his saving bank account without involvement of middlemen. The portal also helps in reflecting the entire produce of the farmer at the time of procurement on MSP since the portal is linked with Web-HALRIS of Revenue Department from where details of his land/ holding are fetched.

In Kharif 2022, Agriculture & Farmers Welfare Department have transferred Rs. 354 Crore in the accounts of 2.89 lakh Bajra growing farmers under

Bhawantar Bharpai Yojana scheme through this portal successfully with almost no complaint. Subsidy disbursed during 2022 through this portal is as under:-

Subsidy disbursement during Kharif 2022 as on 14/02/2023				
Sr. No.	**Scheme Name**	**Farmer**	**Area (In acre)**	**Amount (Rs. in lakh)**
1	Direct Seeded Rice (DSR)	16,616	72,923	2,916
2	Mera Pani Meri Virasat (MPMV)	33,912	58,900	4,123
3	Promotion of Oil Seeds & Pulses	3,603	6,349	254
4	Promotion of Desi Cotton	9,148	17,164	515
5	Chara Bijai Yojana	368	795	79
6	Bajra Bhawanter Bharpai Yojana (BBY)	2,89,822	11,35,681	35,400
Total		**3,53,469**	**12,91,814**	**43,287**

Since Kharif 2020, total 50,62,294 farmers have registered on Meri Fasal Mera Byora portal. The season-wise detail of farmers registered on Meri Fasal Mera Byora Portal is as under:

Sr. No.	**Season**	**Number of Farmers registered on MFMB portal**
1.	Kharif 2020	9,14,283
2.	Rabi 2020-21	9,38,195
3.	Kharif 2021	7,96,272
4.	Rabi 2021-22	8,94,515
5.	Kharif 2022	7,71,046
6.	Rabi 2022-23	7,47,983
Total		**50,62,294**

For those farmers having land holding in Haryana who are residing outside the State because of their livelihood or other family reasons and if they do not have Parivar Pehchan Patra (PPP), then they are allowed for registration on MFMB on the basis of Aadhar number.

The Grievance Redressal Mechanism exists at District and State Level. The District Level Grievance Redressal Committee is chaired by Deputy Commissioner and Senior Officers of line departments are its members. Likewise, State Level Grievance Redressal Committee is chaired by Director General, Agriculture & Farmers Welfare Department and Directors of line departments are its members. Further, there is also provision of an Appellate Authority who will be Additional Chief Secretary to Govt. of Haryana, Agriculture & Farmers Welfare Department. To decide the timelines of the activities of MFMB and other issues, a State Level Monitoring Committee has been constituted under the Chairmanship of Additional Chief Secretary to Govt. of Haryana, Agriculture & Farmers Welfare Department.

The MFMB portal is an innovative and flexible portal wherein feedback and suggestions are incorporated for meeting the objective and to make it more relevant for farmers. In future also, if meaningful suggestions are received same can be incorporated in the portal. As per need the new crops have been added on the portal.

<u>नोट फॉर पैड</u>

मेरी फसल मेरा ब्यौरा (एम.एफ.एम.बी) राज्य सरकार की एक प्रमुख योजना/कार्यक्रम है जिसमें किसान एम.एस.पी. पर अपनी फसल बेचने और कृषि व अन्य सम्बंधित विभागों से लाभ प्राप्त करने के लिए खुद को पंजीकृत करते हैं। अब यह पोर्टल मेरा पानी मेरी विरासत (एम.पी.एम.वी.), धान की सीधी बिजाई, बाजरा प्रतिस्थापन और भावांतर भरपाई योजना, उत्तम बीज (बीज विकास) इत्यादि के लाभों के लिए एक अम्ब्रेला प्लेटफार्म बन गया है। इस पोर्टल द्वारा सब्सिडी/वित्तीय सहायता को बैंक, कोषागार या ई-खरीद के माध्यम से किसानों के बैंक खाते में सीधे जमा किया जाता है।

कृषि और किसान कल्याण विभाग खरीफ 2020 से मेरी फसल मेरा ब्यौरा (एम.एफ.एम.बी.) पोर्टल का नोडल विभाग है। इससे पहले हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड इस पोर्टल से संबधित सभी गतिविधियों को संचालित करने के लिए नोडल एजेंसी था। इस योजना के दिशानिर्देशों को सरकार द्वारा मंजूरी प्रदान की गई है।

एम.एफ.एम.बी. पोर्टल को इस तरह से विकसित किया गया है कि इसमें किसानों की सभी मौजूदा समस्याओं का विशेष रूप से खरीद से संबधित समस्याओं का ध्यान रखा गया है। इस पोर्टल के माध्यम से अब किसान निकटतम मंडियों का चयन कर सकता है और एम.एस.पी. पर खरीद के समय अपने आगमन का समय भी निर्धारित कर सकता है। चूंकि पोर्टल ई-खरीद से जुड़ा हुआ है, इसलिए उन्हें बिचौलियों की भागीदारी के बिना एम.एस.पी. पर उनकी उपज की बिक्री का भुगतान सीधे उनके बचत बैंक खाते में किया जाता है। पोर्टल एम.एस.पी. पर खरीद के समय किसान की पूरी उपज को दर्शाने में भी मदद करता है । पोर्टल राजस्व विभाग के वेब-हेलरिस से जुड़ा हुआ है, जहां से उसकी जमीन/जोत का विवरण प्राप्त किया जाता है।

खरीफ 2022 में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने भावांतर भरपाई योजना के तहत 2.89 लाख बाजरा उत्पादक किसानों के खातों में लगभग बिना किसी शिकायत के 354 करोड़ रूपए इस पोर्टल के माध्यम से हस्तांतरित किये है। खरीफ 2022 के दौरान इस पोर्टल के माध्यम वितरित की गई सब्सिडी निम्नानुसार है:-

14/02/2023 को खरीफ 2022 के दौरान सब्सिडी वितरण				
क्रम संख्या	**योजना का नाम**	**किसान**	**क्षेत्रफल (एकड़ में)**	**राशि (रु. लाख में)**
1	धान की सीधी बिजाई	16,616	72,923	2,916
2	मेरा पानी मेरी विरासत	33,912	58,900	4,123
3	तिलहन और दलहन का प्रचार	3,603	6,349	254
4	देसी कपास का प्रचार	9,148	17,164	515
5	चारा बिजाई योजना	368	795	79
6	बाजरा भावांतर भरपाई योजना	2,89,822	11,35,681	35,400
कुल		**3,53,469**	**12,91,814**	**43,287**

खरीफ 2020 के बाद से मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर कुल 50,62,294 किसानों ने पंजीकरण कराया है। मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकृत किसानों का सीजनवार विवरण निम्नानुसार है:

क्रम संख्या	**सीजन**	**एम.एफ.एम.बी. पोर्टल पर पंजीकृत किसानों की संख्या**
1.	खरीफ 2020	9,14,283
2.	रबी 2020-21	9,38,195
3.	खरीफ 2021	7,96,272
4.	रबी 2021-22	8,94,515
5.	खरीफ 2022	7,71,046
6.	रबी 2022-23	7,47,983
कुल		**50,62,294**

जिन किसानो के पास हरियाणा में भूमि है लेकिन अपनी आजीविका या अन्य पारिवारिक कारणों से राज्य से बाहर रह रहे हैं और उनके पास परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) नहीं है, तो उन्हें आधार संख्या के आधार पर एम.एफ.एम.बी. पर पंजीकरण की अनुमति है।

शिकायत निवारण तंत्र जिला और राज्य स्तर पर मौजूद है। जिला स्तरीय शिकायत निवारण समिति के अध्यक्ष उपायुक्त होते हैं तथा संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी इसके सदस्य होते हैं। इसी प्रकार राज्य स्तरीय शिकायत निवारण समिति के अध्यक्ष कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के महानिदेशक तथा संबंधित विभागों के निदेशक इसके सदस्य होते हैं। इसके अलावा, एक अपीलीय प्राधिकारी का भी प्रावधान है जो सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि और किसान कल्याण विभाग, हरियाणा की होंगे। एम.एफ.एम.बी की गतिविधियों और अन्य मुद्दों की समय-सीमा तय करने के लिए, अतिरिक्त मुख्य सचिव, कृषि और किसान कल्याण विभाग, हरियाणा की अध्यक्षता में एक राज्य स्तरीय निगरानी समिति का गठन किया गया है।

एम.एफ.एम.बी. पोर्टल एक परिवर्तनात्मक पोर्टल है। पोर्टल को अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए किसानों के प्रतिक्रिया और सुझावों को शामिल किया गया है। भविष्य में भी सार्थक सुझाव प्राप्त होने पर उसे पोर्टल में शामिल किया जा सकता है। आवश्यकतानुसार नई फसलों को पोर्टल पर जोड़ा गया है।